श्री रामचन्द्र मिशन

श्री रामचन्द्र मिशन (एस.आर.सी.एम.) एक गैर लाभकारी, शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक सेवा संगठन है, जो विश्व बन्धुत्व और प्रेम को बढ़ाने के लिए समर्पित है। श्री रामचन्द्र मिशन इस सिद्धांत पर सतत् कार्यरत है कि व्यक्तिगत रूपान्तरण के द्वारा विश्वव्यापी सामाजिक रूपान्तरण किया जा सकता है। यह मानव विकास एवं एकीकरण के लिए कार्य करता है। इस तरह प्रेम एवं सौहार्द पर आधारित शाश्वत शांति पूर्ण मानव समाज की रचना की जा सकती है।

श्री रामचन्द्र मिशन युवाओं के सर्वाङ्गीण विकास पर अत्यधिक महत्व देता है, इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि वर्तमान पीढ़ी को नैतिक, सैद्धांतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों से अवगत एवं पोषित करवाने से ही हम एक उज्ज्वल भविष्य की आशा रख सकते हैं।

श्री रामचन्द्र मिशन और संयुक्त राष्ट्र जन सूचना विभाग (यू.एन.डी.पी.आई.)

श्री रामचन्द्र मिशन एव संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य व क्रियाऐं स्वाभाविक रूप से मेल खाती है। इससे सौहार्द पूर्ण शांति पूर्ण समाज की संरचना के उद्देश्य में इन दोनों संस्थाओं के बीच सक्रिय सम्बंधों ने इन्हें एक प्रमुख योगदाता बनाया है। श्री रामचन्द्र मिशन संयुक्त राष्ट्र जन सूचना विभाग से संबद्ध विश्व में मानव जाति के कल्याण एवं संयुक्त राष्ट्र राजपत्र में उल्लिखित सिद्धांतों के समर्थन में सक्रिय रूप से कार्यरत लगभग 1600 गैर सरकारी संस्थानों में से एक है।

अखिल भारतीय निबंध लेखन कार्यक्रम श्री रामचन्द्र मिशन एंव संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र भारत व भूटान, यू.एन.आई.सी., भारत में संयुक्त राष्ट्र की प्रतिनिधि इकाई की सहभागिता का प्रमुख कार्यक्रम है।

युवाओं के लिए आमंत्रण

प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय निबंध लेखन कार्यक्रम के माध्यम से श्री राचन्द्र मिशन युवाओं से सम्पर्क स्थापित करने को प्रयासरत है। जो इस तथ्य पर आधारित है कि भविष्य इनके कन्धों पर निर्भर है।

युवावस्था प्रतिज्ञा का समय है बशर्ते इसमें उसी अनुपात में प्रयास भी किये जाए। यद्यपि यह अवसरों से भरा हुआ समय है फिर भी यह सम्भव है कि नैतिक मूल्यों के निर्देशन के अभाव में युवाओं को संघर्ष करना पड़े।

यद्यपि वर्तमान शिक्षा पद्धति बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में चुनौतीपूर्ण भविष्य हेतु युवाओं के मस्तिष्क को तैयार करने का उत्तम कार्य कर रही है, फिर भी युवाओं को स्वयं नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से परिपूर्ण होने की महती आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम के सूत्रपात से हमारा प्रयत्न है कि शिक्षा व जीवनवृत्ति, चरित्र निर्माण व संतुलित जीवन के साथ साथ चलने की आवश्यकता को प्रेरित व पोषित किया जाए। यही एकमात्र मार्ग है जो सुनिश्चित करता है कि भविष्य में विश्व का नेतृत्व सक्षम एवं संतुलित व्यक्तियों द्वारा होगा।

हम आपको इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। यह एक ऐसे विषय पर गहन चिन्तन व अपने विचार प्रकट करने का विशिष्ट अवसर है, जिसे प्रायः अपेक्षित महत्व नहीं दिया जाता है।

नियम व दिशा निर्देश

- प्रतिभागी द्वारा निबंध निम्नलिखित किसी भी भाषा में लिखा जा सकता है - अंग्रेजी, हिन्दी या तेलगू।
- निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाली संस्थाओं के सभी योग्य एवं इच्छुक प्रतिभागी निबंध लिख सकते है। उन्हे अपने निबंध संस्था के प्राधिकारी को 31 अगस्त 2012 तक जमा करवाने होंगे। संस्था द्वारा प्रत्येक भाषा के शीर्ष पाँच निबंध एवं निर्धारित प्रपत्र में प्रतिभागियों की पूरी सूची श्री रामचन्द्र मिशन के प्रतिनिधि को 15 सितम्बर 2012 तक देनी होगी।
- सभी प्रविष्टियां ए-4 आकार की उत्तर पुस्तिका में काली या नीली स्याही से हस्त लिखित होनी चाहिये। सभी प्रविष्टियों में प्रतिभागी की सूचना सम्बंधी प्रारुप पूरी जानकारी के साथ संलग्न होना चाहिये। संस्था द्वारा दिये गए अंक उत्तर पुस्तिकाओं पर अंकित नहीं होने चाहिये।
- छात्रों को विषयों पर पढ़ने व शोध करने के लिये प्रेरित किया जाये, सभी जमा की गई प्रविष्टियां अनिवार्यतः छात्र की मौलिक रचना होनी चाहिए तथापि सन्दर्भ व सूक्तियाँ भी अवश्य स्वीकार्य है।
- प्रतिभागियों के लिये केवल दो ही श्रेणियां है, और प्रत्येक प्रतिभागी को सम्बंधित श्रेणी के विषय पर निबंध लिखना है।
- दोनों श्रेणियों के लिए शब्द सीमा 1000 शब्द है जिसका दृढ़ता से पालन किया जाना चाहिए। छात्रों को निबंध में किसी भी प्रकार के चित्रण से बचना चाहिये।

मान्यता

भारतीय विजेता : दोनों श्रेणियों की तीनों भाषाओं में से प्रत्येक श्रेणी के लिये भारत स्तर पर एक विजेता और एक उप विजेता चुना जायेगा।

राष्ट्रीय स्तर : सम्पूर्ण राष्ट्र से प्राप्त समस्त प्रविष्टियों में से, तीनों भाषाओं की दोनों श्रेणियों के तीन शीर्ष निबंधों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिये जायेंगे।

क्षेत्रीय स्तर : सम्पूर्ण राष्ट्र को 28 क्षेत्रों में विभक्त किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र में दोनों श्रेणियों की तीनों भाषाओं में शीर्ष तीन निबंधों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार क्षेत्रीय स्तर पर दिये जायेंगे।

संस्था स्तर : प्रत्येक भाग लेने वाली संस्था के प्रतिभागियों में दोनों श्रेणियों की तीनों भाषाओं में दो श्रेष्ठतम प्रविष्टियों को "योग्यता प्रमाणपत्र" दिये जायेगें।

अन्तिम पुरस्कार की योग्यता हेतु छात्रों का टेलीफोन पर साक्षात्कार लिया जा सकता है। भारत विजेता व उप विजेता को ट्रॉफी दी जायेगी। राष्ट्रीय विजेताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किये जायेंगे। सभी पुरस्कृत विजेताओं को निदेशक, संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र एवं अध्यक्ष, श्री रामचन्द्र मिशन द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र दिये जायेंगे।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

निबंध जमा करने की अंतिम तिथि

संस्थाओं द्वारा : 20 सितम्बर, 2012

परिणाम की घोषणा : 15 दिसम्बर, 2012

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

विषय

श्रेणी 1 के विषय (कक्षा 9 से कक्षा 12)

"जो तुम्हें भविष्य में बनना है, वह बनना अभी से आरम्भ करो।"

विचारणीय बिन्दु :

- यदि हम जो बनना चाहते है उसके लिए हमें स्वयं में परिवर्तन करना आवश्यक है, तो वह परिवर्तन तुरन्त क्यों नहीं आरम्भ करें।
- जो करना आवश्यक है, उसे अतिशीघ्र क्यों ना किया जाये।

श्रेणी 2 के विषय (स्नातक से स्नातकोत्तर)

"जो पीछे छूट गया अथवा जो हमारे सामने है, वह उसकी तुलना में बहुत तुच्छ है, जो हमारे अन्दर है।"

– राल्फ वाल्डो इमरसन

विचारणीय बिन्दु

- हम किसके बारे में अधिक चिन्तित हैं – वह जो हमारे आस पास है या वह जो हमारे अन्दर है।
- क्या हमारे आस पास विश्व में जो कुछ है वह हमें यह समझने में मदद करता है कि मानव के रूप में कैसा होना चाहिये या हमें अपने अन्दर और अधिक गहनता में जाने की आवश्यकता है अपनी वास्तविक प्रकृति को जानने के लिए।

अखिल भारतीय निबंध लेखन कार्यक्रम

2012

श्री रामचन्द्र मिशन

तथा

UN Information Centre
New Delhi

संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र
भारत व भूटान

की सहकार्यता में आयोजित